# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

## Workshop on 'Fact Check and Data Analysis'

**Newspaper: Dainik Jagran** **Date: 27-11-2022**

# डाटा जर्नलिज्म के लिए खुद को करें तैयार

**संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़:** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा गूगल न्यूज इनिशिएटिव के संयुक्तत्वावधान में डेटा वेरीफिकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन किया गया।

कार्यशाला में संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. उमेश आर्य विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला प्रामाणिक व विश्वसनीय डाटा उपलब्ध करवाने के संदर्भ में उपयोगी साबित होगी।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. उमेश आर्य ने कहा कि इंटरनेट पर सही सामग्री खोजने के लिए सही सवाल पूछना जरूरी है। आज के समय में डाटा बायोग्राफी को समझना अत्यंत आवश्यक है। डाटा बायोग्राफी से अभिप्राय है उस डाटा का उद्देश्य, उसे किसने एकत्रित किया है, क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है, किस समय का है, और किस संदर्भ में है। किसी भी डाटा की जांच के लिए क्या, क्यों कहां, कब और कैसे इन सवालों का उत्तर जरूर ढूंढें। प्रो. आर्य ने कहा कि वर्तमान समय में डाटा जर्नलिज्म के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और करियर के अवसर है। वर्तमान दौर में पत्रकारिता करने के लिए हर पत्रकार को डाटा को समझना आवश्यक है। पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा वर्तमान समय में डाटा लिट्रेसी और डाटा सेंस सभी के लिए आवश्यक है। इस कार्यशाला से विद्यार्थियों और शोधार्थियों की डिजिटल लिटरेसी के बारे में जागरूकता बढ़ी है। भविष्य के पत्रकारों के लिए डाटा पत्रकारिता 21वीं सदी का स्किल है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. पंकज कुमार, डा. सुरेंद्र कुमार, डा. नीरज कर्ण सिंह, आलेख नायक व भारती बत्रा सहित भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते प्रो.उमेश आर्य ● सौ. हकेंवि

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Haribhoomi** **Date: 30-11-2022**

# हकेंवि में शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम शुरू

- पीएचडी शोधार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 के पीएचडी शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से आयोजन को शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसमें विशेषज्ञों से प्राप्त ज्ञान से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 120 पीएचडी के शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं और यह तीसरा बैच चल रहा है। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत दर्शनशास्त्र का परिचय कराते हुए शुक्रवार को पहला व्याख्यान दिया।

**महेंद्रगढ़।** ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ। *फोटो : हरिभूमि*

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Impressive Times** **Date: 30-11-2022**

# A one day Workshop on Fact Check and Data Analysis

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

**MAHENDARGARH:** Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organized a one day Workshop in joint collaboration with Google News initiative on Fact Check and Data Analysis' in the Department of Journalism and Mass Communication. Professor Umesh Arya from Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJU), Hissar, shared valuable insights with the students on the importance of data and fact check in the Research. He talked about the importance of developing a data frame of mind, collecting data in a disciplined way and scientific way of searching. He throws light on particular terms like Data Biography, Data Pipeline and Pinpoint. In today's age of information overload, it's crucial for researchers to make sense of data. Prof. Arya said that don't believe in data if it does not have a biography. 5Ws and 1H of Data to be kept in mind while scrutinizing data. Putting emphasis on the scientific way of searching, he familiarised scholars with Pinpoint, multipurpose application, where data is stored up to 100 GB and gets transcribed in all formats HTML, JPEG, PNG. Head of the Department, Associate Professor Dr. Ashok Kumar expressed gratitude on the behalf of the department. He said such workshops help students to understand the importance of data in day to day story making. He said data journalism is a new and growing branch of journalism, students' needs to learn data verification skills. All faculty members and students were present in the workshop.

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Punjab Kesari** **Date: 30-11-2022**

# डाटा जर्नलिज्म भविष्य की पत्रकारिता, इसके लिए खुद को तैयार करें विद्यार्थी: प्रो. उमेश आर्य

*हकेंवि में कार्यशाला को संबोधित करते डॉ. उमेश आर्य।*

महेंद्रगढ़, 26 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा गूगल न्यूज इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वाधान में डाटा वैरीफिकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. उमेश आर्य विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला प्रामाणिक व विश्वसनीय डाटा उपलब्ध करवाने के संदर्भ में उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विशेषज्ञ वक्ता प्रो. उमेश आर्य ने कहा कि इंटरनैट पर सही सामग्री खोजने के लिए सही सवाल पूछना जरूरी है। आज के समय में डाटा बायोग्राफी को समझना अत्यंत आवश्यक है। डाटा बायोग्राफी से अभिप्राय है उस डाटा का उद्देश्य, उसे किसने एकत्रित किया है, क्यों उपलब्ध करवाया जा रहा है, किस समय का है और किस संदर्भ में है।

प्रो. आर्य ने कहा कि वर्तमान समय में डाटा जर्नलिज्म के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और करियर के अवसर हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को लाभदायी टूल्स के बारे में बताया। पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में डाटा लिटरेसी और डाटा सैंस सभी के लिए आवश्यक है। इस कार्यशाला से विद्यार्थियों और शोधार्थियों की डिजिटल लिटरेसी के बारे में जागरूकता बढ़ी है।

भविष्य के पत्रकारों के लिए डाटा पत्रकारिता 21वीं सदी का स्किल है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, आलेख नायक व भारती बत्रा सहित भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।